भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 208
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 04 दिसंबर, 2023
13 अग्रहायण, 1945 (शक)

कोल्लेंगोडे गांव को विरासत का दर्जा

208. **श्री वी.के. श्रीकंदन:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केरल के कोल्लेंगोडे क्षेत्र में कई भित्तिचित्र, पाषाण-शिलालेख, महापाषाण स्मारक, टेराकोटा और पाषाण मूर्तियां, गड्ढे और अन्य अवशेष पाए गए हैं;

(ख) क्या कोल्लेंगोडे को विरासती ग्राम का दर्जा प्रदान करने की मांग की गई है;

(ग) क्या इन स्मारकों एवं अवशेषों को एक विशेष कार्ययोजना के माध्यम से संरक्षित करने के प्रयास किए जाने चाहिए;

(घ) क्या सरकार को इस संबंध में किसी से भी कोई अनुरोध प्राप्त हुआ है; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): कोल्लेंगोडे, जिला पालक्काड, केरल में किए गए गांव-गांव सर्वेक्षण के दौरान मूर्तियों और पेंटिंग सहित कचनमकुरुची विष्णु मंदिर नामक एक प्राचीन मंदिर के बारे में पता चला था। वर्ष 1999-2000 में केरल पुरातत्व विभाग द्वारा कोविलकम परम्बु, कोल्लेंगोडे, जिला पालक्काड, केरल में अन्वेषण और बचाव अभियान के दौरान इस क्षेत्र से महापाषाण काल की विभिन्न प्रकार की दफन सामग्रियां, वट्टेझुधु लिपि में पुराने अभिलेख, मंदिर संरचनाओं के अवशेष आदि के बारे में रिपोर्ट किया था।

(ख): ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ग) से (ड.): गांव के प्रतिनिधियों ने केरल पुरातत्व विभाग से पुरातात्विक अवशेषों का संरक्षण करने और नेनमेनी, कोविलकम परम्बु, कोल्लेंगोडे, पालक्काड, केरल में एक धरोहर संग्रहालय बनाने का आग्रह किया है।

*****